बिहार सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग
कार्यालय : प्रधान मुख्य वन संरक्षक, बिहार, पटना।
(कैम्पा एवं वन संरक्षण संभाग)

तृतीय तल, अरण्य भवन, शहीद पीर अली खाँ मार्ग, पटना–800 014

संख्या व.सं./71/2019-540

प्रेषक,

अरविन्दर सिंह, भा०व०से०,
अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कैम्पा)
–सह–नोडल पदाधिकारी (वन संरक्षण),
बिहार, पटना।

सेवा में,

सचिव,
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग,
बिहार सरकार, पटना।

पटना 15, दिनांक– 31/07/2023

विषय – कैमूर जिलान्तर्गत मुण्डेश्वरी पर्वत पर रज्जू पथ निर्माण हेतु वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत 1.3094 हे० वन भूमि अपयोजन के प्रस्ताव पर सैद्धान्तिक स्वीकृति के संबंध में।

महोदया,

उपर्युक्त विषयक कैमूर जिलान्तर्गत मुण्डेश्वरी पर्वत पर रज्जू पथ निर्माण हेतु 1.3094 हे० वन भूमि अपयोजन के लिये वरीय परियोजना अभियन्ता, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लि० कार्य प्रमंडल, पटना वन संरक्षक, वन्यप्राणी अंचल, पटना के माध्यम से भाग–II एवं भाग–III में प्रविष्टि उपरान्त प्रस्ताव प्राप्त हुआ है जिसमें 1.3094 हे० वन भूमि का अपयोजन होना है। अपयोजित होने वाली वन भूमि कैमूर वन्यप्राणी आश्रयणी अन्तर्गत की प्राकृतिक वन भूमि है।

कैमूर वन्यप्राणी आश्रयणी अन्तर्गत अपयोजित होने वाली 1.309 हे0 वन भूमि के लिये राष्ट्रीय वन्यप्राणी पर्षद की स्थायी समिति की 72वीं बैठक दिनांक 25.04.2023 में की गयी अनुशंसाओं के आलोक में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, बिहार के पत्रांक 373 दिनांक 06.06.2023 (छायाप्रति संलग्न) द्वारा अनुमति प्रदान किया गया है जो इस पत्र के साथ संलग्न है।

वन प्रमंडल पदाधिकारी, कैमूर द्वारा भाग–II की प्रविष्टि में अंकित किया गया है कि परियोजना निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल Archeological Heritage Site है। इस संबंध में प्रयोक्ता एजेंसी के पत्रांक 675 दिनांक 22.10.2022 (छायाप्रति संलग्न) द्वारा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार के पत्रांक 231 दिनांक 29.07.2022 के द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया है जो इस पत्र के साथ संलग्न है।

प्रस्तावित मुण्डेश्वरी पर्वत पर रज्जू पथ निर्माण के क्रम में कुल 1.3094 हे० वन भूमि का अपयोजन एवं परियोजना निर्माण में प्रभावित होने वाले 183 वृक्षों का पुर्नस्थापन प्रस्तावित किया गया है। परियोजना में अपयोजित होने वाली वन भूमि को मूल टोपो शीट नक्शा Index के साथ संलग्न किया गया हैं जो वन प्रमंडल पदाधिकारी, कैमूर एवं प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा हस्ताक्षरित है।

वन प्रमंडल पदाधिकारी, कैमूर द्वारा भाग–II की प्रविष्टि में वनों का वानस्पतिक घनत्व 0.4 अंकित किया गया है तथा यह भी अंकित किया गया है कि प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 का उल्लंघन कर कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है।

परियोजना का निर्माण प्राकृतिक वन भूमि में होना है। तद्आलोक में अपयोजित होने वाली वन भूमि के बदले क्षतिपूरक वनीकरण हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग, बिहार को दी जाने वाली समतुल्य गैर वन भूमि प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा, भगवानपुर अंचल अन्तर्गत मौजा–टोड़ी, थाना नं० 366, खाता संख्या–643 चक, 462 आर. एस. खेसरा सं० 590 चक 473 आर. एस., कुल रकबा–6.43 एकड़ जंगल झाड़ी, अनाबाद बिहार सरकार चिन्हित की गयी है जिससे संबंधित प्रतिवेदन इस पत्र के साथ संलग्न है। चिन्हित गैर वन भूमि पर क्षतिपूरक वनीकरण हेतु रू० 25,75,865/– का प्राक्कलन तैयार किया गया है जो प्रस्ताव के साथ संलग्न है। क्षतिपूरक वनीकरण के लिये चिन्हित वन भूमि का Geo-referenced नक्शा एवं वन भूमि क्षतिपूरक वनीकरण के लिये उपर्युक्त है का प्रमाण पत्र भी प्रस्ताव के साथ संलग्न है।

वन प्रमंडल पदाधिकारी, कैमूर के पत्रांक 2177 दिनांक 01.09.2021 (छायाप्रति संलग्न) द्वारा उपलब्ध कराये गये FRA, 2006 प्रमाण पत्र भारत सरकार द्वारा निधारित मानक के अनुरूप नहीं है। सैद्धान्तिक स्वीकृति पत्र में अधिरोपित शर्त्तों के अनुपालन के साथ भारत सरकार द्वारा निधारित मानक के अनुरूप FRA, 2006 प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जायेगा।

वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत केन्द्र सरकार द्वारा निर्गत दिशा–निर्देश की कंडिका 2.5 (ii) के आलोक में निम्नांकित शर्त्तों के साथ प्रस्ताव की अनुशंसा की जा सकती है–

1. भूमि का वैधानिक स्वरूप यथावत रहेगा।
2. परियोजना में आश्रयणी अन्तर्गत अपयोजित होने वाली 1.3094 हे० वन भूमि के लिये रू0 12.28590 लाख प्रति हे० अर्थात रू0 16,08,716/– **X 5** के दर से **कुल रू० 80,43,580/– (अस्सी लाख तैतालीस हजार पाँच सौ अस्सी) मात्र नेट प्रजेन्ट भेल्यू (NPV) के मद में प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग, बिहार के पक्ष में जमा कराया जायेगा।**
3. चिन्हित गैर वन भूमि पर क्षतिपूरक वनीकरण हेतु रू० 25,75,865/– का प्राक्कलन तैयार किया गया है जो प्रस्ताव के साथ संलग्न है। क्षतिपूरक वनीकरण की राशि प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग, बिहार के पक्ष में अद्यतन दर पर जमा कराया जायेगा।
4. परियोजना निर्माण के क्रम में 60 से०मी० तक परिधि के पौधों का पातन नहीं किया जायेगा, इन पौधों को वन प्रमंडल पदाधिकारी, कैमूर के निदेशानुसार प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा Translocate किया जायेगा। 60 से०मी० से अधिक परिधि के वृक्षों का पातन किया जाना है।
5. वृक्षों का पातन विभागीय देखरेख में प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा अपने खर्च पर किया जाएगा एवं पातित काष्ठ को विभागीय वनागार तक पहुँचाया जाएगा। प्राप्त काष्ठ की नीलामी इत्यादि के लिए विभाग को 1552/– रूपये प्रति घनमीटर की दर से राशि प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराएगी।

प्रस्ताव की दो प्रतियाँ अनुलग्नक के साथ अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु इस पत्र से संलग्न कर भेजी जा रही। **उक्त प्रस्ताव पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, बिहार का अनुमोदन प्राप्त है।**

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन,
ह०/–
(अरविन्दर सिंह)
अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कैम्पा)
–सह–नोडल पदाधिकारी (वन संरक्षण),
बिहार, पटना।

ज्ञापांक– व.सं. / 71 / 2019- 540 दिनांक 31/07/2023

प्रतिलिपि – वरीय परियोजना अभियन्ता, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लि0, कार्य प्रमंडल, आरा को सूचनार्थ प्रेषित।

31/7/23

(अरविन्दर सिंह)
अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कैम्पा)
–सह–नोडल पदाधिकारी (वन संरक्षण),
बिहार, पटना।

Government of Bihar
Office of Principal Chief Conservator of Forest, Bihar, Patna
(Wildlife Wing)

No.-Wildlife 373 Date- 06/06/2023

Sub.: Permission under Wildlife (Protection) Act 1972 [Clearance from wildlife angle] for installation of Ropeway transportation system to Maa Mundeshwari Temple/Hill in Bhagwanpur Block in Kaimur Wildlife Sanctuary, Kaimur district for tourism [Proposal No. FP/BR/Others/42268/2019].

In view of the recommendations of State Board for Wildlife in its 9th meeting held on 13.08.2020 and recommendation of Standing Committee of National Board for Wildlife in 72nd meeting held on 25.04.2023, clearance from wildlife angle and permission under Wildlife (Protection) Act, 1972 is accorded with the conditions and stipulations as under for the use of 1.309 ha of forest land in Kaimur Wildlife Sanctuary for construction/installation and operation of Ropeway for tourism purposes associated with the Maa Mundeshwari Temple / Hill which is an archaeological and heritage site:

Conditions for construction / installation and operation of above Ropeway transport facility inside Kaimur Wildlife Sanctuary at Kaimur for tourism purposes associated with Maa Mundeshwari Temple/ Hill:

1) **General Conditions:**

a) The ropeway construction / installation and use of right of way shall be restricted to the diverted forest land / wildlife sanctuary area only and not beyond the diverted land.

b) No facilities other than the ropeway constructions and fixtures etc. should be installed or constructed in the forest and sanctuary areas being permitted for use of the ropeway installation and operation.

c) This permission is limited to tourism activity related to Maa Mundeshwari Temple/ Hill only and for any other tourism or eco-tourism activity in the neighbourhood sanctuary areas beyond this heritage/ archaeological site, separate permission shall have to be obtained.

d) The operation of Ropeway carriage / transit facility for tourism purpose shall be regulated under directions of the Chief Wildlife Warden, Bihar and shall be coordinated as per eco-tourism guidelines so that any adverse impact on wildlife interests are prevented or mitigated.

e) The user / work agency shall ensure that any type of pollution, including sound pollution, in the area during the operation of ropeway is checked and appropriate steps are taken for waste management.

2) **Conditions and stipulations related to Construction and Installation phase:**

a) Before ropeway construction / installation, the land to be diverted should be well demarcated with boundary pillars by the user agency in coordination with the Range Officer of Forests, Bhabhua.

b) The construction and installation works and related operations shall normally be carried out between sunrise and sunset.

c) No barrier / hindrance should be constructed in between the ropeway towers so that wildlife movement there under is not obstructed.

d) No vehicular parking premises shall be constructed inside forest or sanctuary land.

e) For the use of electric power line cables/wires, only insulated covered wires should be used.

f) At the Lower Terminal Point/Station of the Ropeway, only walkway shall be provided for the tourists and visitors for transport between the boundary of forest land and the ropeway, and no automobile vehicles should be used in this area, except for a few electric battery operated carts exclusively for differently abled "Divyang" persons and old age frail persons.

g) From the Upper Terminal Point/Station to Maa Mundeshwari Temple/ Hill, till the boundary of the forest land, both the sides of the path should be demarcated and fenced with chain-link mesh fencing on both sides.

h) Green belt plantations on the exterior periphery of the premises of both the Lower Terminal Point and Upper Terminal Point and along the chain-link mesh fencing should be created at project cost.

3) **Conditions, regulations and stipulations related to Operation of the Ropeway for tourism:**

a) The ropeway shall not be operated during the night time and season-wise time of operation between sun-rise to sunset shall be specified by the Ropeway operator authority under intimation to Divisional Forest Officer & Wildlife Warden, Kaimur Forest Division.

b) Only Electric Battery Operated vehicles/carts shall be used for conveyance of tourists and visitors from the Upper Terminal Point/Station near Maa Mundeshwari Temple/ Hill.

c) It shall be ensured by the Ropeway operator authority and their management agencies that wastes / polluting substances / materials including plastic polythene containers or carry bags etc., are not thrown / disposed / tipped in the Ropeway area or the adjoining the Forest / Sanctuary areas. Towards this end, appropriate strict regulations be formulated and enforced and the necessary waste collection and disposal arrangements shall be put in place by the concerned authority/agency.

d) For the entire area of the Ropeway and the Lower and Upper Terminal Points/Stations and the adjoining areas, the operations should be managed such that there is no sound pollution in the vicinity of the sanctuary. The use of public address system should also provide such technology solutions that the sound level is maintained at

such low decibel that it is restricted within the premises of the ropeway project and the disturbance to the serenity of the sanctuary is minimum.

e) No vehicular parking facility shall be allowed anywhere in forest/sanctuary area.

f) The forest officers should be allowed to use the ropeway without any fee for monitoring and wildlife protection purposes and other bona fide works of the Department of Environment, Forest and Climate Change in that locality, as and when required.

g) A local committee comprising of Officer I/C of the Ropeway facility management of Bihar Rajya Pul Nirman Nigam Ltd. stationed at Bhabua (who shall be the convener), the Block Development Officer, Bhagwanpur Block, and Range Officer of Forests, Bhabua, shall be responsible to monitor as well as coordinate at the local level the compliance of the above conditions.

h) In case, the conditions and stipulations are violated specifically with regard to pollution, waste littering and other similar harmful acts in the sanctuary areas in the vicinity due to tourism activity, the Ropeway authority / agency shall be responsible to undertake any clean-up operations and correctional or mitigating measures as and when required and in case of failure on this account, the expenditure incurred therefor by the Divisional Forest Officer, Kaimur shall be borne by the Ropeway authority / agency. For this purpose, the necessary amount should be the charged from the revenue generated by operation of Ropeway.

i) The Net Present Value component of the amount deposited with CAMPA fund should be utilized for wildlife conservation purposes in Bhabua Range of Kaimur Wildlife Sanctuary preferably in the sanctuary areas surrounding the Ropeway.

j) The annual compliance certificate on the stipulated conditions should be submitted by the project proponent to the Chief Wildlife Warden, Bihar and Divisional Forest Officer -cum-Wildlife Warden, Kaimur

k) Any other condition as prescribed by Chief Wildlife Warden, Bihar deemed necessary in the interest of wildlife and sanctuary in relation to the operation of Ropeway facility for tourism shall be followed.

4) (a) The conditions and stipulations of approval under Forest (Conservation) Act, 1980, as applicable, shall also be complied with.

(b) The provisions of Environment (Protection) Act 2006 as applicable to Ropeways, shall be followed.

06/06/2023

(Prabhat Kumar Gupta)
Addl. Principal Chief Conservator of Forest
-cum-Chief Wildlife Warden, Bihar

To,

Senior Project Engineer
Bihar Rajya Pul Nirman Nigam Ltd.
Works Division, Ara

Divisional Forest Officer -cum- Wildlife Warden
Kaimur Forest Division, Bhabua

Memo No.-Wildlife 373 Date 06/06/2023

CC:

1. Addl. Chief Secretary, Road Construction Department, Government of Bihar.
2. Principal Secretary, Department of Environment of Forests, Government of Bihar.
3. Secretary, Department of Tourism, Government of Bihar.
4. Addl. Principal Chief Conservator of Forest (CAMPA)-cum-Nodal Officer (FC), Bihar.
5. Director, Ecology and Environment, Patna.
6. Conservator of Forests, Wildlife Circle, Patna.
7. District Magistrate, Kaimur, Bhabua.
8. Divisional Forest Officer, Rohtas Forest Division, Sasaram.

06/06/2023

Addl. Principal Chief Conservator of Forest
-cum-Chief Wildlife Warden, Bihar

4th Floor, Aranya Bhawan, Shahid Pir Ali Khan Marg, P.O.-Veterinary College, Patna-800014
email: cwlwbihar@gmail.com; Mob. : 8986153507

(96)

F.No.6-265/2022 WL
Government of India
Ministry of Environment, Forest and Climate Change
(Wildlife Division)

2nd Floor, Vayu Wing,
Indira Paryavaran Bhawan,
Jor Bagh Road, New Delhi 110003.

Date: 16th May, 2023

To,

The Principal Secretary,
Environment and Forest Department,
Patliputra Colony, Nehru Nagar,
Patna 800013.

Sub: Proposal for use of 1.309 ha of forest land from Kaimur Wildlife Sanctuary for construction of Ropeway transportation system to Maa Mundeshwari Temple in Bhagwanpur Block, Kaimur District, Bihar-FP/BR/Others/42268/2019.

Sir,

Reference is invited to the subject mentioned above. The above proposal was discussed in the 72nd Meeting of Standing Committee of National Board for Wild Life held on 25th April, 2023 under the Chairmanship of Hon'ble Minister for Environment, Forest & Climate Change.

2. After discussions, the Standing Committee recommended the proposal with the following conditions:

1. The operation of Ropeway carriage/transit facility for tourism purpose shall be regulated under directions of the Chief Wild Life Warden, Bihar and shall be coordinated as per eco-tourism guidelines so that any adverse impact on wildlife interests are prevented or mitigated.
2. The user/work agency shall ensure that any type of pollution, including sound pollution, in the area during the operation of ropeway is checked and appropriate steps are taken for waste management.
3. During the construction and installation of the ropeway facility in the sanctuary area, the practicable restrictions and precautionary measures as prescribed by the Chief Wild Life Warden, Bihar shall be complied with.
4. The annual compliance certificate on the stipulated conditions should be submitted by the project proponent to the State Chief Wild Life Warden and an annual compliance certificate shall be submitted by the State Chief Wild Life Warden to Government of India.

(45)

3. The minutes of the meeting have been posted online in the "PARIVESH" portal of this Ministry.

Yours faithfully,

(Dr. Sudheer Chintalapati)
Scientist 'E'
Email:sudheer.ch@gov.in

Copy to:

1. Chief Wild Life Warden, Environment and Forest Department, Patliputra Colony, Nehru Nagar, Patna 800013.
2. Deputy Director General of Forests (C), Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Regional Office (EZ), A/3, Chandersekharpur, Bhubaneswar 751023 **for information and monitoring the compliance of the conditions**.
3. Inspector General of Forests, FC Division, MoEF&CC.
4. Joint Secretary, IA Division, MoEF&CC.

(Dr. Sudheer Chintalapati)
Scientist 'E'
Email: sudheer.ch@gov.in